



## **Navigating the Future of Human Resource Management: IIM Raipur unveils 8th HR Summit**

**Or**

## **Transforming the Future of Human Resource Management: IIM Raipur's 8th HR Summit**

**IIM Raipur hosts its two-day HR Summit on the 5th and 6th October**

**Raipur, October 6, 2024:** The Indian Institute of Management (IIM) Raipur successfully hosted its 8th HR Summit, a two-day event held from October 5 to 6 in the IIM Raipur campus. The summit focused on navigating the future of HR. It brought together distinguished business leaders and experts from various industries on a single platform for panel discussions that explored new horizons in HR leadership and innovation in the ever-transforming business landscape, underscoring inclusivity, sustainability, and ethical practices.

A panel discussion themed on the topic 'Building a Culture of Well-Being: Strategies for Integrating Physical and Mental Health into Workplace' commenced, with the dignitaries participating in the discussion, namely Vikram Patki, Executive Vice President - Human Resources, Ascenso and Ajay Tandon, Vice President, HDFC ERGO, who joined virtually and moderated by Prof. Damini Saini of IIM Raipur.

The leaders emphasized the need to unlearn the traditional ways of working in corporate organizations and understand how physical well-being also affects mental well-being. They shared several key moments from their lives that helped the students of IIM Raipur understand the significance of building a culture of well-being and removing biases to ensure inclusive workspaces. The two also advised the younger generation to develop a hobby, think with an open mind, and observe and soak in the culture of the organization they work in, to eventually facilitate organizational growth.

The next panel discussion focused on 'Reskilling and Upskilling Policies: Preparing for the Future of Work,' featured Sankara Reesu, Vice President and Group CHRO, Fertis; Santosh Rout, Group Head HR, Sorigin; Tanya Singh, Senior Vice President, American Express; Tirthankar Raychaudhury, Vice President Human Resources, Bennett Coleman & Company Limited.

The dignitaries highlighted how reskilling means unlearning conventional ways and relearning current ways to avoid becoming obsolete. They laid out the importance of upskilling and assessment of skill gap analysis, apart from being flexible enough to welcome the changing



nature of work and workforce in corporate organizations. Advising the students to keep their fundamentals solid to contribute to the growth of an organization in an ever-widening competitive landscape, they also touched upon the fact that the incorporation of technology in current working methodologies can help boost productivity and create seamless processes.

The last panel discussion of the day, themed around ‘Fostering a Sustainable Environment: HR’s Role in Promoting Environmental And Social Ethics’ and attended by Dhiraj Kumar, Associate Vice-President - Human Resources, Fibe; Lokender Kumar, Sr. General Manager - HR & Admin, Poly Medicure; Minakshi Buragohain, Group Head Human Resources, Times OOH, focused mainly on the essence of integrating corporate social responsibility initiatives in the business processes to maintain the cycle of profitability while also innovating on the backdrop of sustainability.

The event concluded with a Vote of Thanks by Prof. Smriti Pande, Co-Chairperson, Placement, IIM Raipur. The insights shared by her added value and broadened the perspectives of the students of IIM Raipur greatly.

The two-day event provided valuable learnings and remarkable takeaways that will definitely help the students of IIM Raipur transform into well-established leaders in the dynamic world of HR leadership and business.

---

#### **About IIM Raipur:**

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2024, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 14th in the MHRD-NIRF Business Ranking, in 2023, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.

For more information, please visit: [www.iimraipur.ac.in](http://www.iimraipur.ac.in)





## मानव संसाधन प्रबंधन के भविष्य की दिशा में: भा.प्र.सं. रायपुर का 8वां एचआर शिखर सम्मेलन

या

## मानव संसाधन प्रबंधन के भविष्य को बदलते हुए: भा.प्र.सं. रायपुर का 8वां एचआर शिखर सम्मेलन

भा.प्र.सं. रायपुर 5 और 6 अक्टूबर को अपना दो दिवसीय एचआर शिखर सम्मेलन आयोजित कर रहा है।

रायपुर, 6 अक्टूबर, 2024: भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने सफलतापूर्वक अपना 8वां एचआर शिखर सम्मेलन आयोजित किया, जो 5 और 6 अक्टूबर को भा.प्र.सं. रायपुर परिसर में हुआ। इस शिखर सम्मेलन का केंद्र बिंदु मानव संसाधन (एचआर) के भविष्य की दिशा थी। इस कार्यक्रम ने विभिन्न उद्योगों के प्रतिष्ठित व्यापार नेताओं और विशेषज्ञों को एक मंच पर एकत्र किया, जहां एचआर नेतृत्व और नवाचार पर पैनल चर्चाओं का आयोजन हुआ। इन चर्चाओं ने समावेशिता, स्थिरता और नैतिक प्रथाओं पर जोर देते हुए व्यापार जगत के निरंतर बदलते परिदृश्य में नए आयामों की खोज की।

एक पैनल चर्चा जिसका विषय था 'कल्याण की संस्कृति का निर्माण: कार्यस्थल में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के एकीकरण की रणनीतियाँ', इसका आरंभ हुआ। इस चर्चा में सम्मानित वक्ताओं ने भाग लिया, जिनमें शामिल थे विक्रम पाटकी, कार्यकारी उपाध्यक्ष - मानव संसाधन, असेंसो और अजय टंडन, उपाध्यक्ष, एचडीएफसी अर्गो, जिन्होंने वर्चुअली जुड़कर चर्चा में हिस्सा लिया। इसे भा.प्र.सं. रायपुर की प्रोफेसर दमिनी सैनी ने संचालित किया।

नेताओं ने कॉर्पोरेट संगठनों में पारंपरिक कार्य करने के तरीकों को छोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया और यह समझाया कि शारीरिक स्वास्थ्य मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। उन्होंने अपने जीवन के कुछ महत्वपूर्ण क्षण साझा किए, जिससे भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों को यह समझने में मदद



मिली कि कैसे कल्याण की संस्कृति का निर्माण किया जा सकता है और पूर्वाग्रहों को दूर करके समावेशी कार्यस्थल सुनिश्चित किए जा सकते हैं। दोनों ने युवा पीढ़ी को एक शौक विकसित करने, खुले दिमाग से सोचने और उस संगठन की संस्कृति को समझने की सलाह दी जिसमें वे काम कर रहे हैं, ताकि वे संगठन के विकास में योगदान कर सकें।

अगली पैनल चर्चा 'पुनः कौशल विकास और कौशल वृद्धि नीतियाँ: भविष्य के कार्य के लिए तैयारी' पर केंद्रित थी। इसमें संकरा रीसू, उपाध्यक्ष और समूह सीएचआरओ, फर्टिस; संतोष राउत, समूह प्रमुख एचआर, सोरिजिन; तान्या सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अमेरिकन एक्सप्रेस; तिर्थकर रायचौधरी, उपाध्यक्ष मानव संसाधन, बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड ने भाग लिया।

वक्ताओं ने बताया कि पुनः कौशल विकास का अर्थ पारंपरिक तरीकों को छोड़कर वर्तमान तरीकों को अपनाना है, ताकि अप्रासंगिकता से बचा जा सके। उन्होंने कौशल वृद्धि और कौशल अंतराल विश्लेषण के महत्व को रेखांकित किया, इसके साथ ही कॉर्पोरेट संगठनों में कार्य और कार्यबल की बदलती प्रकृति को अपनाने की लचीलेपन पर भी जोर दिया। उन्होंने छात्रों को अपने मूल सिद्धांत मजबूत रखने की सलाह दी, ताकि वे प्रतिस्पर्धी व्यापार जगत में संगठन की वृद्धि में योगदान दे सकें। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान कार्य पद्धतियों में तकनीक को शामिल करना उत्पादकता बढ़ाने और सहज प्रक्रियाओं को विकसित करने में मदद कर सकता है।

दिन की अंतिम पैनल चर्चा 'स्थायी पर्यावरण को बढ़ावा देना: पर्यावरणीय और सामाजिक नैतिकताओं को प्रोत्साहित करने में एचआर की भूमिका' पर केंद्रित थी, जिसमें धीरज कुमार, एसोसिएट वाइस-प्रेसिडेंट - मानव संसाधन, फाइब; लोकेन्दर कुमार, वरिष्ठ महाप्रबंधक - एचआर और प्रशासन, पॉली मेडिक्योर; मिनाक्षी बुरागोहाईन, समूह प्रमुख मानव संसाधन, टाइम्स ओओएच ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य बिंदु यह था कि व्यापार प्रक्रियाओं में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों का एकीकरण कैसे किया जाए, ताकि लाभप्रदता के चक्र को बनाए रखते हुए स्थिरता की पृष्ठभूमि पर नवाचार किया जा सके।



इस आयोजन का समापन भा.प्र.सं. रायपुर की प्लेसमेंट अध्यक्ष प्रो. रश्मि शुक्ला द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उनके द्वारा साझा किए गए विचारों ने भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों की सोच को व्यापक बनाया और उन्हें महत्वपूर्ण मूल्य प्रदान किया।

यह दो दिवसीय कार्यक्रम भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों के लिए बहुमूल्य सीख और महत्वपूर्ण निष्कर्ष लेकर आया, जो उन्हें एचआर नेतृत्व और व्यापार की गतिशील दुनिया में सफल नेता बनने में निश्चित रूप से मदद करेगा।

### **भा.प्र.सं. रायपुर के बारे में:**

2010 में स्थापित, भा.प्र.सं. रायपुर एक ऐसा केंद्र है जो गतिशील नेताओं को तैयार करता है, उन्हें उनके संबंधित व्यवसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान, अनुभव और बहुमूल्य संपर्क प्रदान करता है। हमारे संस्थान को विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों में 50 से अधिक अनुभवी शिक्षाविदों और देश के 700 से अधिक सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं से शक्ति मिलती है। 2024 में, भा.प्र.सं. रायपुर ने महत्वपूर्ण रैंकिंग हासिल की, जिसमें 2023 में एमएचआरडी-एनआईआरएफ बिजनेस रैंकिंग में 14वां स्थान, सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान और आउटलुक-आईकेयर सूची में 8वां स्थान शामिल है। हम देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाले भा.प्र.सं. में से एक हैं। छत्तीसगढ़ के जीवंत हृदय, नया रायपुर में स्थित हमारा नया अत्याधुनिक परिसर आधुनिक वास्तुकला को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और धरोहर के साथ बखूबी जोड़ता है, जो एक अनोखा और प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण तैयार करता है।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया देखें: [www.भा.प्र.सं.raipur.ac.in](http://www.भा.प्र.सं.raipur.ac.in)